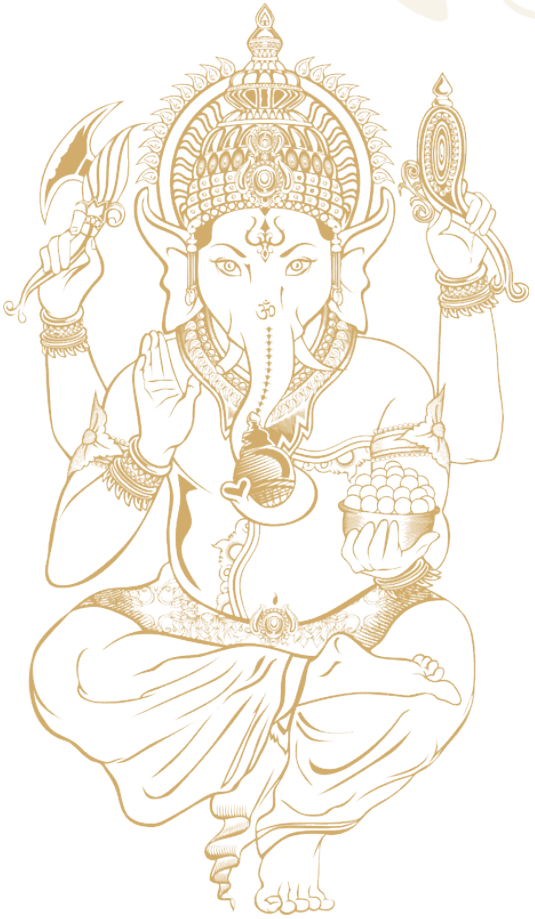

Nisha

25 Mar 1995

06:40 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121946704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/03/1995**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**18:40:00 घंटे**
इष्ट	30:49:05 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:18:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:10 घंटे
साम्पातिक काल	06:28:58 घंटे
सूर्योदय	06:20:21 घंटे
सूर्यास्त	18:34:43 घंटे
दिनमान	12:14:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:37:36 मीन
लग्न के अंश	12:35:18 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोली
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:35:18	317:45:57	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मीन	10:37:36	00:59:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मक	02:45:50	13:48:26	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल			कर्क	19:22:33	00:00:36	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध			कुंभ	22:38:31	01:39:38	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	21:30:51	00:01:19	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	03:01:04	01:11:42	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	23:35:19	00:07:10	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु	व		तुला	12:14:12	00:02:32	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	12:14:12	00:02:32	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मक	05:59:46	00:01:58	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:27:07	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:40:54	00:00:43	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	12:51:32	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:36

लग्न-चलित

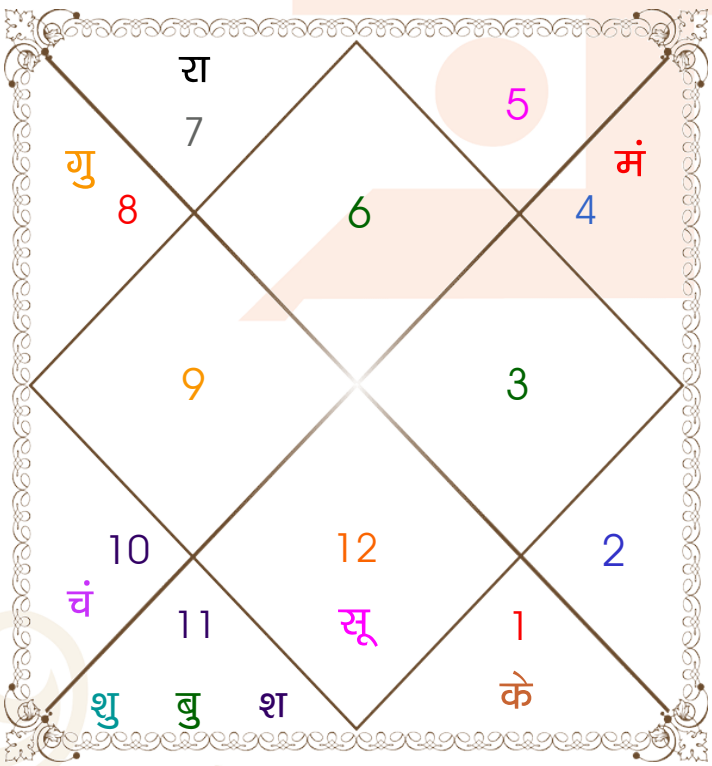

चन्द्र कुंडली

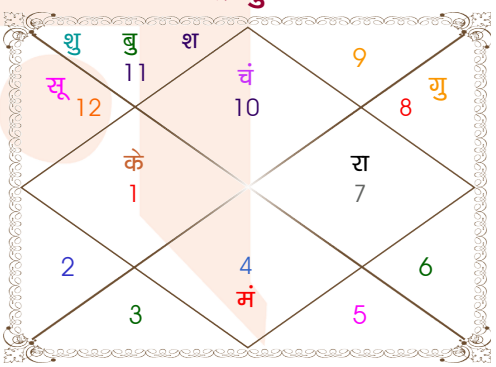

नवमांश कुंडली

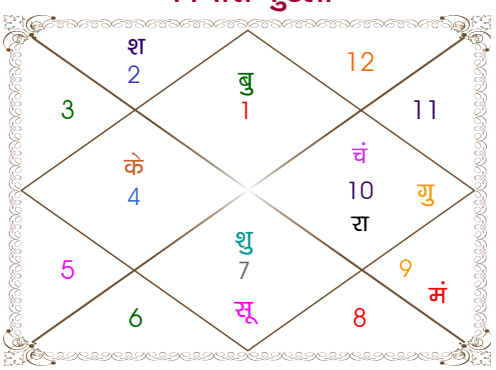

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 3 मास 2 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/03/1995		27/06/1998		26/06/2008		27/06/2015		26/06/2033	
27/06/1998		26/06/2008		27/06/2015		26/06/2033		26/06/2049	
	00/00/0000	चंद्र	27/04/1999	मंगल	22/11/2008	राहु	09/03/2018	गुरु	15/08/2035
	00/00/0000	मंगल	26/11/1999	राहु	11/12/2009	गुरु	02/08/2020	शनि	25/02/2038
	00/00/0000	राहु	27/05/2001	गुरु	17/11/2010	शनि	09/06/2023	बुध	02/06/2040
	25/03/1995	गुरु	26/09/2002	शनि	26/12/2011	बुध	26/12/2025	केतु	09/05/2041
गुरु	03/05/1995	शनि	26/04/2004	बुध	23/12/2012	केतु	14/01/2027	शुक्र	08/01/2044
शनि	14/04/1996	बुध	26/09/2005	केतु	21/05/2013	शुक्र	13/01/2030	सूर्य	26/10/2044
बुध	19/02/1997	केतु	27/04/2006	शुक्र	21/07/2014	सूर्य	08/12/2030	चंद्र	25/02/2046
केतु	26/06/1997	शुक्र	26/12/2007	सूर्य	26/11/2014	चंद्र	08/06/2032	मंगल	01/02/2047
शुक्र	27/06/1998	सूर्य	26/06/2008	चंद्र	27/06/2015	मंगल	26/06/2033	राहु	26/06/2049

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/06/2049		26/06/2068		26/06/2085		26/06/2092		27/06/2112	
26/06/2068		26/06/2085		26/06/2092		27/06/2112		00/00/0000	
शनि	29/06/2052	बुध	23/11/2070	केतु	23/11/2085	शुक्र	27/10/2095	सूर्य	15/10/2112
बुध	09/03/2055	केतु	20/11/2071	शुक्र	23/01/2087	सूर्य	26/10/2096	चंद्र	15/04/2113
केतु	17/04/2056	शुक्र	20/09/2074	सूर्य	30/05/2087	चंद्र	27/06/2098	मंगल	21/08/2113
शुक्र	18/06/2059	सूर्य	27/07/2075	चंद्र	30/12/2087	मंगल	27/08/2099	राहु	16/07/2114
सूर्य	30/05/2060	चंद्र	26/12/2076	मंगल	27/05/2088	राहु	27/08/2102	गुरु	26/03/2115
चंद्र	29/12/2061	मंगल	23/12/2077	राहु	14/06/2089	गुरु	27/04/2105		00/00/0000
मंगल	07/02/2063	राहु	11/07/2080	गुरु	21/05/2090	शनि	27/06/2108		00/00/0000
राहु	14/12/2065	गुरु	17/10/2082	शनि	30/06/2091	बुध	28/04/2111		00/00/0000
गुरु	26/06/2068	शनि	26/06/2085	बुध	26/06/2092	केतु	27/06/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 3 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।